Daily Gospel Reflections in Hindi

01 November 2019

ALL SAINTS DAY

Rev. 21:1-4, Mt. 24:15-24

सुसमाचार के द्वारा माँ कलीसिया हमें यह समझाती है कि अंतिम दिनों में, ईसा मसीह के पुनरागमन के दिन हमारे लिए अधिक समय नहीं दिया जायेगा और हमें अनेक कठिनाइओं का भी सामना करना पड़ेगा। उन दिनों को निकट देखते वक्त हमें अपनी सम्पत्ति, वस्तुएँ इत्यादि इकट्ठा करने के लिए निकलना नहीं चाहिए; जो छत पर है वह अपना सामान उठाने नीचे ना आये, जो खेत पर है वह चादर लेने के लिए ना लौटे। वरना हमारे साथ भी उस धनवान के जैसा हो सकता है जो अपनी सम्पत्ति और अनाज इकट्ठा करने की सोचता है और अपनी आत्मा खो देता है। (लूकस 12:16–21)

ईसा मसीह हमें धनियों की स्वर्ग राज्य प्राप्ति की कठिनता के बारे में गर्भवती महिलाओं का उदाहरण देकर कहते है। जैसे एक गर्भवती महिला को अपने बच्चे के साथ, जो उसके कोख में है, भागना मुश्किल होता है वैसे धनियो को अपनी सम्पत्ति के साथ बचना मुश्किल होता है, (मारकुस 8:36) इसके द्वारा ईसा हमें चेतावनी देते है, ''मनुष्य को इससे क्या लाभ यदि वह सारा संसार तो प्राप्त कर ले, लेकिन अपना जीवन ही गँवा दे?'' इसलिए सबसे पहले मुक्ति पाने के लिए, हम लोग इस धरती पर पाए सम्पत्ति को छोड़ने का विचार मन में रखना चाहिए। (लूकस 18:24–25) ईसा ने कहा; ''धनियों के लिए ईश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है! सुई के नाके से होकर ऊँट का निकलना अधिक सहज है, किन्तु धनी का ईश्वर के राज्य में प्रवेश करना कठिन है।''

बल्कि, हमारी मुक्ति और भी कठिन हो जाती है, जब वचन संख्या (23) और (24) में ईसा मसीह विश्वासियों से कहते है कि झूठे मसीह और झूठे नबी प्रकट होकर अपने चिह्न तथा चमत्कार दिखाकर विश्वासियों को भटकाने और बहकाने के लिए भी कोशिश

करेंगे। इसलिए हम लोग अपने मन से भी विचलित नही होना चाहिए और कभी भी सच्चे विश्वास से मन भटकाना नहीं चाहिए। संत पेत्रुस कहते है ''यदि धर्मी को कठिनाई से मुक्ति मिलती है, तो विधर्मी और पापी का क्या होगा (1 पेत्रुस 4:18)। ''पृथ्वी पर अपने लिए पूँजी जमा नहीं करो, जहाँ मोरचा लगता है, कीड़े खाते हैं और चोर सेंध लगा कर चुराते है। स्वर्ग में अपने लिए पूँजी जमा करो, जहाँ न तो मोरचा लगता है, न कीड़े खाते है और न चोर सेंध लगाकर चुराते है। क्योंकि जहाँ तुम्हारी पूँजी है, वहीं तुम्हारा हृदय भी होगा। (मत्ती 6:19–21)

आज माँ कलीसिया सभी संतों का पर्व मनाती है। स्वर्ग का राज्य पाने के लिए संतों ने अपनी सम्पत्ति बेचा, छोड़ दिया या उसे तुच्छ समझा। (लूकस 19:1–10; 19:28; फिलिप 3:8)

स्वर्ग राज्य के लिए उन्होंने अपनी जिन्दगी में इस धरती के चीजों को कमाने के लिए इच्छा नहीं रखा और उन्होंने अपने मन, तन और आत्मा को पवित्र बनाये रखने के लिए पूरा–पूरा परिश्रम किया। आइए हम भी पवित्र बने, ईसा मसीह के लिए अपना सब कुछ त्यागने के लिए भी तैयार रहे और संत बनें।

आमेन।

Rev. Fr. Siljo Kidangan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019